

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

- (i) समाचार तथा सम-सामयिक मामलों से जुड़े अखबारों तथा पत्रिकाओं का प्रकाशन
- (ii) विदेशी समाचार-पत्रों के अनुलिपि संस्करणों के प्रकाशन

हेतु दिशानिर्देश

नई दिल्ली,

दिनांक : 31 मार्च, 2006

प्रस्तावना

इस मंत्रालय द्वारा दिनांक 13 जुलाई, 2005 को जारी पिछले दिशानिर्देशों के स्थान पर केन्द्र सरकार ने तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित को अनुमति प्रदान करने का निर्णय लिया है :-

- (i) समाचार तथा सम-सामयिक मामलों से जुड़े समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं का प्रकाशन करने वाली भारतीय कम्पनियों में मान्यता प्राप्त एफआईआई द्वारा शोधित इक्विटी पूंजी के 26 प्रतिशत की सीमा तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (जिसमें अप्रवासी भारतीयों, भारतीय मूल के लोगों द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेशों सहित) और पोर्टफोलियो निवेशों की अनुमति।
- (ii) भारतीय कम्पनियों द्वारा विदेशी पूंजी निवेश अथवा बिना विदेशी पूंजी निवेश के विदेशी समाचार-पत्रों का संपूर्ण अथवा आंशिक तौर पर अनुलिपि संस्करण प्रकाशित करना और साथ ही, मूल समाचार-पत्र के स्वामित्व वाली विदेशी कम्पनियों द्वारा भी इसका प्रकाशन किया जाना, बशर्ते वह भारत में कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत समाविष्ट एवं पंजीकृत हो।

एतद्वारा निम्नलिखित दिशानिर्देश निर्धारित किए जाते हैं :

1. आवेदन

- (i) अपेक्षित दस्तावेजों सहित विधिवत रूप से भरे गए निर्धारित आवेदन-पत्र की नौ प्रतियां सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भेजी जाएंगी।

- (ii) आवेदक को डिमांड ड्राफ्ट के जरिए 5000/-रु. का आवेदन शुल्क देना होगा जो भुगतान एवं लेखाधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पक्ष में हो तथा नई दिल्ली में देय हो।

2. प्रकाशन का शीर्ष

मौजूदा कार्यविधि के अनुसार प्रेस रजिस्ट्रार द्वारा अनुलिपि संस्करणों सहित शीर्ष सत्यापन किया जाएगा।

3. पात्रता शर्तें

क. समाचार तथा सम-सामयिक विषयों से जुड़े समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं का प्रकाशन करने वाली भारतीय कम्पनियों में विदेशी निवेश :

- (i) विदेशी निवेश की अनुमति केवल तभी दी जाएगी जहां परिणामी कम्पनी (जिसे इसके बाद "नई कम्पनी" कहा गया है) कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत एक कम्पनी हो।
- (ii) विदेशी कम्पनियों, अप्रवासी भारतीयों, भारतीय मूल के लोगों आदि द्वारा एफडीआई सहित विदेशी निवेश और मान्यता प्राप्त एफआईआई द्वारा पोर्टफोलियो निवेश के बावत नई कम्पनी की शोधित इक्विटी की अधिकतम 26 प्रतिशत सीमा तक की अनुमति दी जाएगी।
- (iii) अनुमति केवल उन्हीं मामलों में दी जाएगी जहां कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 4क में यथावर्णित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों तथा सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं द्वारा धारित इक्विटी को छोड़कर नई कम्पनी में वृहत्तम भारतीय शेयरधारक द्वारा धारित इक्विटी कम से कम 51 प्रतिशत हो। इस खण्ड में प्रयुक्त वृहत्तम भारतीय शेयरधारक में निम्नलिखित में से कोई एक अथवा सामूहिक रूप से शामिल होंगे :

- (1) किसी व्यक्तिगत शेयरधारी के मामले में,
- (क) व्यक्तिगत शेयरधारी
- (ख) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 6 के अर्थ के भीतर शेयरधारी का कोई रिश्तेदार
- (ग) कोई कम्पनी/कम्पनियों का समूह जिनमें व्यक्तिगत शेयरधारी/एचयूएफ जिससे वह जुड़ा हो, का प्रबंधन तथा

नियंत्रणमूलक हित हो

- (2) किसी भारतीय कम्पनी के मामले में,
(क) भारतीय कम्पनी
(ख) सदृश प्रबंधन एवं स्वामित्व नियंत्रण के तहत भारतीय कम्पनियों का एक समूह

बशर्ते कि उपर्युक्त उप-खण्ड (1) तथा (2) में उल्लिखित सभी कम्पनियों के समूह अथवा किसी एक कम्पनी के मामले में सभी पक्षकारों को नई कम्पनी के प्रबंधन संबंधी मामलों में एक ईकाई के रूप में कार्य करने हेतु विधिक रूप से बाध्यकारी एक करार सम्पन्न करना होगा।

- (iv) नई कम्पनी की इक्विटी में 26 प्रतिशत विदेशी निवेश की गणना करते समय, नई कम्पनी की भारतीय शेयरधारक कम्पनियों में विदेशी शेयरधारी घटक की गणना यथानुपातिक आधार पर की जाएगी ताकि नई कम्पनी में कुल विदेशी निवेश की गणना की जा सके।
- (v) नई इक्विटी जारी करके कम से कम 50 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश करना होगा। शेष हिस्सा अर्थात् 50 प्रतिशत तक के विदेशी प्रत्यक्ष निवेश मौजूदा इक्विटी के अंतरण के जरिए किए जा सकते हैं।
- (vi) अनुमति इस शर्त पर प्रदान की जाएगी कि नई कम्पनी के निदेशक मंडल के $\frac{3}{4}$ निदेशक और सभी मुख्य कार्यकारी तथा संपादकीय कर्मचारीगण भारत के निवासी हों।

ख. विदेशी समाचार-पत्रों के अनुलिपि संस्करण

- (i) किसी भी भारतीय कम्पनी को, विदेशी निवेश अथवा बिना विदेशी निवेश के, जो विदेशी समाचार-पत्र के अनुलिपि संस्करण प्रकाशित करने की इच्छुक हो अथवा किसी भी विदेशी कम्पनी जो मूल विदेशी समाचार-पत्र की स्वामी हो, को अनुलिपि संस्करण प्रकाशित करने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते
- (क) वह कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार के तहत एक कम्पनी के रूप में समाविष्ट एवं पंजीकृत हो।
- (ख) भारत में जिसकी वाणिज्यिक मौजूदगी हो जिसका मुख्य कारोबारी स्थल भारत में हो।

(ग) नई कम्पनी के निदेशक मंडल में से कम से कम $\frac{3}{4}$ निदेशक और सभी मुख्य कार्यकारी तथा संपादकीय कर्मचारी भारतीय निवासी हों।

(ii) कोई भी कम्पनी जो भारत में किसी विदेशी समाचार-पत्र का अनुलिपि संस्करण प्रकाशित कर रही है, उन पर भारतीय समाचार-पत्रों तथा उनके प्रकाशनों पर संगत कानून तथा दिशानिर्देश लागू होंगे।

4. बुनियादी शर्तें/बाध्यताएं :

(i) निर्धारित सीमा के शर्ताधीन, सभी कम्पनियों के लिए प्रत्येक वर्ष 31 मार्च तक तथा वित्त वर्ष समाप्त होने से 15 दिनों के भीतर विदेशी शेयरधारी पैटर्न में किसी बदलाव के बारे में सूचित करना बाध्यकारी होगा।

(ii) सभी कम्पनियों के लिए उपर्युक्त खण्ड 3क(iii) में विनिर्दिष्ट वृहत्तम भारतीय शेयरधारक द्वारा धारित शेयर में किसी परिवर्तन से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से पूर्वानुमति लेना बाध्यकारी होगा।

(iii) सभी कम्पनियों को निदेशक मंडल की संरचना अथवा मुख्य कार्यकारी तथा संपादकीय कर्मचारियों में कोई फेरबदल करने की तिथि से 15 दिनों के भीतर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को सूचित करना होगा। ऐसे बदलाव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की कार्योत्तर मंजूरी के शर्ताधीन होंगे।

(iv) सभी कम्पनियों को, नई कम्पनी में किसी विदेशी नागरिक/प्रवासी भारतीयों को परामर्शक के रूप में (अथवा किसी अन्य पद पर) एक वर्ष में 60 दिनों से अधिक अथवा नियमित कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने/नियोजित करने के बावत प्रस्ताव हेतु सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से पूर्वानुमति प्राप्त करनी होगी।

(v) अनुलिपि संस्करण प्रकाशित करने की अनुमति निम्नलिखित शर्ताधीन दी जाएगी:

(क) मूल विदेशी समाचार-पत्र, जिसका अनुलिपि संस्करण भारत में प्रकाशित किए जाने का प्रस्ताव है, का प्रकाशन मूल देश के विनियामक प्राधिकरण के अनुमोदन से किया जा रहा है और वह उस देश का मानक प्रकाशन है तथा वह भारतीय पाठकों के लिए विशेष तौर पर तैयार किया गया है।

(ख) अनुलिपि संस्करण में किसी भी भारतीय से संबंधित किसी भी रूप में कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा।

(ग) अनुलिपि संस्करण में स्थानीय स्तर पर सृजित कोई भी सामग्री/भारत विशिष्ट सामग्री, जो विदेशी समाचार-पत्र के मूल संस्करण में साथ प्रकाशित नहीं की गई हो, प्रकाशित नहीं की जाएगी।

- (घ) अनुलिपि संस्करण के प्रकाशन हेतु सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से पूर्वानुमति प्राप्त की जाती है और भारतीय समाचार-पत्र के पंजीयक के पास इसके शीर्षक को पंजीकृत करवाया जाता है।
- (ड.) प्रकाशन में स्पष्टतः यह उल्लेख होगा कि पूर्णतः अथवा अंशतः यह अनुलिपि संस्करण है और इसमें शीर्षक (मास्टहेड), संपादकीय पृष्ठ और मूल विदेशी समाचार-पत्र के प्रकाशन स्थान का साफ-साफ उल्लेख होगा।

5. आवेदन-पत्रों पर कार्रवाई

- (i) समाचारों तथा सम-सामयिक विषयों से जुड़े समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं का प्रकाशन करने वाली भारतीय कम्पनियों में निवेश करने हेतु सभी नए आवेदनों और विदेशी समाचार-पत्रों के अनुलिपि संस्करणों के प्रकाशन संबंधी प्रस्तावों पर गृह मंत्रालय तथा अन्य मंत्रालयों के साथ अंतर-मंत्रालयी परामर्श, जो भी अपेक्षित हो, करके सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में कार्रवाई की जाती है तथा इस संबंध में निर्णय लिया जाता है।
- (ii) आवेदक कम्पनी आवेदन करते समय शेयरधारक करार तथा ऋण करार जिन्हें अंतिम रूप दिया जाता है अथवा सम्पन्न किए जाने हेतु प्रस्तावित हो, का संपूर्ण ब्यौरा देगी। इनमें किए गए किसी भी परिवर्ती बदलाव के बारे में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को इस बदलाव की तिथि से 15 दिनों के भीतर सूचित करना होगा।
- (iii) आवेदक कम्पनी अनुच्छेद/संघ ज्ञापन निरूपित करेगी ताकि निर्धारित पात्रता शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके।
- (iv) सभी कम्पनियां ऐसे सभी व्यक्तियों जो भारत के निवासी नहीं हैं और जिन्हें नई कम्पनी में निदेशक मंडल में शामिल किए जाने का प्रस्ताव है, के बारे में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से पूर्वानुमति प्राप्त करेंगी।
- (v) यदि आवेदक कम्पनी जिन्होंने सीमित विदेशी निवेश हेतु अनुमति प्राप्त की हो, उन निवेशकों जिनके लिए विदेशी निवेश की अनुमति प्राप्त की गई हो, को छोड़कर अन्य निवेशकों के लिए निर्धारित सीमा के भीतर निवेश बढ़ाने का प्रस्ताव करती हो तो उसे निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन करना होगा।
- (vi) आवेदक कम्पनियां जिन्हें सीमित विदेशी निवेश की अनुमति दी गई हो और जो उसी निवेशक से समग्र सीमा के भीतर आगे विदेशी निवेश की मांग कर रही हों, को निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है, बशर्ते कि वे प्रारंभिक अनुमति मंजूर करने की तिथि से पांच (5) वर्ष के भीतर विदेशी निवेश

- में वृद्धि करने की मांग करें और निदेशक मंडल अथवा करार की शर्तों में कोई परिवर्तन न हो।
- (vii) पिछली अनुमति मंजूर करने की तिथि से पांच (5) वर्ष के पश्चात् उन्हीं निवेशकों से आगे निधियां प्राप्त करने हेतु आवेदक कम्पनियों को भी निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन करने की आवश्यकता होगी।
- (viii) अनुलिपि संस्करणों के प्रकाशन हेतु सभी आवेदनों में यह स्पष्टतः उल्लेख करना होगा कि क्या अनुलिपि संस्करण पूर्णतः अथवा अंशतः प्रकाशित किया जाएगा। यदि मूल समाचार-पत्र का केवल आंशिक रूप से प्रकाशित किए जाने का प्रस्ताव हो, प्रत्येक पृष्ठ को एक भाग समझा जाएगा और मूल विदेशी समाचार-पत्र के प्रकाशित किए जाने वाले पृष्ठों की सटीक संख्या स्पष्ट रूप से दर्शानी होगी।

भारत सरकार

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

समाचार तथा समसामयिक मामलों से जुड़े समाचार-पत्रों/पत्रिकाओं का
प्रकाशन करने वाली भारतीय कम्पनियों में विदेशी
प्रत्यक्ष निवेश/विदेशी समाचार-पत्रों के अनुलिपि संस्करणों के
प्रकाशन हेतु आवेदन-पत्र

कार्यालय प्रयोग हेतु
आवेदन सं०.....
आवेदन तिथि
हस्ताक्षर

सामान्य सूचना

(दिशानिर्देश 1(i) में यथापेक्षित पूर्ण रूप से भरी गई नौ प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी)

1. आवेदन का प्रयोजन बताएं :

- (i) विदेशी कारपोरेट निकाय/अप्रवासी भारतीय/भारतीय मूल के व्यक्तियों, विदेशी संस्थागत निवेशकों, अन्य (विनिर्दिष्ट किया जाए) द्वारा समाचारों तथा समसामयिक मामलों से जुड़े समाचार-पत्रों/पत्रिकाओं का प्रकाशन करने वाली नई/मौजूदा कम्पनी में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश हेतु
.....
.....
- (ii) क्या कोई नई कम्पनी स्थापित करने/किसी मौजूदा कम्पनी में विदेशी निवेश करने/किसी मौजूदा अनुमोदन में (पिछले अनुमोदनों का ब्यौरा दें) संशोधन करने हेतु नया आवेदन है
.....
- (iii) किसी विदेशी समाचार-पत्र के अनुलिपि संस्करण के प्रकाशन हेतु
(क) मौजूदा भारतीय कम्पनी द्वारा
(ख) विदेशी कम्पनी द्वारा

2. आवेदन-शुल्क के भुगतान का विवरण

कृपया भुगतान एवं लेखाधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पक्ष में नई दिल्ली में देय किसी अनुसूचित बैंक द्वारा जारी डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करें।

डिमांड ड्राफ्ट सं. तथा दिनांक

राशि रू. रू.

(अंकों में)

(शब्दों में)

..... द्वारा जारी

(बैंक का नाम)

समाचार तथा समसामयिक मामलों से जुड़ी भारतीय कम्पनियों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश हेतु से को प्राप्त आवेदन सं०

3. आवेदक भारतीय कम्पनी/विदेशी कम्पनी (अनुलिपि संस्करणों हेतु) का पूरा नाम तथा पता (मोटे अक्षरों में)

नाम

पत्र व्यवहार का पता

पिन कोड दूरभाष

केबल

ई-मेल फैक्स

4. (i) आवेदक की कम्पनी पंजीयक पंजीकरण संख्या, यदि कोई हो

(ii) आरओसी द्वारा प्रदत्त कारपोरेट पहचान संख्या (सीआईएन)

5. कृपया मौजूदा भारतीय कम्पनी की स्थिति बताएं (क्या यह अलग-अलग/सहभागिता फर्म/सरकारी कम्पनी जैसा कि कम्पनी अधिनियम की धारा 617 के तहत वर्णित है/संयुक्त उद्यम कम्पनी/सार्वजनिक अथवा प्राइवेट लि० कम्पनी/सहकारी उपक्रम/राज्य सरकारी औद्योगिक निगम/न्यास/अन्य है)।

विदेशी कम्पनी की स्थिति (अनुलिपि संस्करणों के मामले में) क्या यह संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी है अथवा किसी भारतीय कम्पनी के सहयोग से है, इसका ब्यौरा दें

.....

6. कम्पनी के कार्यकलाप आदि (जहां कहीं भी आवश्यक हो कृपया अलग से ब्यौरा दें तथा कम्पनी के सहभागिता विलेख/अनुच्छेद तथा संघ ज्ञापन की प्रति संलग्न करें)

मौजूदा कम्पनी

प्रस्तावित कम्पनी

7. (i) अनुलिपि संस्करणों के मामले में प्रकाशित किए जाने वाले समाचार-पत्र/पत्रिका/समाचार-पत्र के नाम का संक्षिप्त ब्यौरा दें

(ii) क्या समाचार-पत्र संपूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से प्रकाशित किया जाएगा (अनुलिपि संस्करण के मामले में)।

(iii) कृपया मौजूदा प्रकाशन के मामले में पिछले 3 अंकों/संस्करणों की प्रतियां संलग्न करें।

8. आवेदक द्वारा प्रकाशित किसी अन्य समाचार-पत्र/पत्रिका/जर्नल/आवधिकी पत्रिका का नाम

9. कृपया उल्लेख करें कि :

(i) क्या भारतीय कम्पनी का पहले से किसी विदेशी कम्पनी के साथ सहयोग है/था? यदि हां, तो कृपया स्पष्ट करें कि क्या वह सहयोग उसी कार्यकलाप अथवा समान अथवा अलग-अलग कार्यकलाप हेतु है/था। कृपया अनुमोदन प्राधिकारी तथा दिनांक और अनुमोदन पत्र संख्या का भी उल्लेख करें (प्रति संलग्न करें)।

.....
.....

(ii) क्या विदेशी निवेशक/सहयोगी कम्पनी का भारत में किसी अन्य व्यक्ति/कम्पनी के साथ उसी अथवा समान अथवा भिन्न-भिन्न उत्पादों/कार्यकलापों हेतु सहयोग रहा है/था? यदि हां, कृपया ब्यौरा दें।

.....
.....

10. विदेशी कम्पनी के साथ सम्पन्न किए जाने वाले प्रस्तावित करार के मसौदे की प्रति संलग्न करें।

11. मौजूदा करार के मामले में कृपया उस प्रवृत्ति अवधि का उल्लेख करें जो समाप्त हो चुकी हो और पिछले अनुमोदन की प्रति संलग्न करें।

अनुमोदन की सं.
तथा तिथि

करार प्रवृत्त होने
की तिथि

करार समाप्त होने
की तिथि

नाम

पता

12. (i) भारतीय कम्पनी की पूंजीगत संरचना

			प्राधिकृत इक्विटी		शोधित इक्विटी	
			सामान्य राशि तथा कुल राशि की तुलना में प्रतिशतता	अधिमानता राशि तथा कुल राशि की तुलना में प्रतिशतता	सामान्य राशि तथा कुल राशि की तुलना में प्रतिशतता	अधिमानता राशि तथा कुल राशि की तुलना में प्रतिशतता
मौजूदा इक्विटी संरचना	भारतीय* (निवासी)					
	विदेशी (अनिवासी)	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश				
		एनआरआई/ओसीबी/पीआईओ				
		कारपोरेट निकाय/एफआईआई				
	अन्य (उल्लेख करें)					
प्रस्तावित इक्विटी संरचना	भारतीय* (निवासी)					
	विदेशी (अनिवासी)	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश				
		एनआरआई/पीआईओ				
		एफआईआई				
	अन्य (उल्लेख करें)					

* कम्पनी अधिनियम 1956, सार्वजनिक वित्तीय संस्था, राष्ट्रीयकृत/अन्य बैंकों द्वारा यथोल्लिखित व्यक्तियों, सरकार (केन्द्र/राज्य), सरकारी कम्पनियों सहित 10 सबसे बड़े इक्विटी धारकों द्वारा धारित इक्विटी हेतु अलग-अलग ब्यौरा दें।

- (ii) कृपया आज की स्थितिनुसार लाभांशों, ऋण करारों, शेयरधारक करारों का ब्यौरा दें (प्रति संलग्न करें)।
- (iii) कृपया दिशानिर्देश 3क (iii) में उल्लिखित सबसे बड़े भारतीय शेयर धारक के करार की प्रति संलग्न करें।

13. कृपया संक्षेप में दर्शाएं :

- (i) मालिकों/प्रमोटर/निदेशकों सहित भारतीय प्रमोटरों/कम्पनी की पृष्ठभूमि (यदि आवश्यक हो, अलग-अलग पृष्ठ संलग्न करें)।
- (ii) विदेशी निवेशक/एनआरआई/पीआईओ/एफआईआई की पृष्ठभूमि (यदि आवश्यक हो, अलग-अलग पृष्ठ संलग्न करें)।
- (iii) मौजूदा तथा प्रस्तावित कम्पनी में निम्नलिखित में से प्रत्येक का नाम, राष्ट्रीयता तथा आवासीय स्थिति

बोर्ड में शामिल निदेशक -
मुख्य कार्यपालक -
संपादकीय स्टाफ -

14. कृपया आवेदक कम्पनी के पिछले तीन वर्षों के लाभ व हानि लेखे और तुलन-पत्र की प्रतियां संलग्न करें।

15. कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय और प्रधान कार्यालय की अवस्थिति :

पता

.....

जिला

राज्य

पिन कोड दूरभाष

ई-मेल फैक्स

पता

.....

जिला

राज्य

पिन कोड दूरभाष

ई-मेल फैक्स

16. नई कम्पनी में कार्य प्रचालन प्रारंभ होने की संभावित तिथि

घोषणा

1. मैं/हम के लिए तथा उनकी ओर से इस आवेदन पर हस्ताक्षर करने के लिए विधिवत प्राधिकृत हूँ/हैं।
2. मैं/हम एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विचार से सत्य एवं सटीक हैं।
3. मैं/हम एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि भविष्य में उपर्युक्त तथ्यों में से किसी भी तथ्य में कोई भी परिवर्तन होता है तो इसकी जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को दूँगा/देंगे।

आवेदक (कों) के हस्ताक्षर

मोटे अक्षरों में नाम श्री/श्रीमती/सुश्री

हस्ताक्षरकर्ता का पदनाम

स्थान : दिनांक :

टिप्पणी :- हस्ताक्षररहित किसी भी आवेदन-पत्र को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हलफनामा

(आवेदक को सार्वजनिक लेख्य प्रमाणक द्वारा विधिवत प्रमाणित 10/-रु. के स्टाम्प पेपर पर प्रस्तुत करना होगा)

मैं सुपत्र/सुपुत्री/पत्नी
निवासी (पता) प्रमाणित करता हूँ कि मैं
..... (भाषा) (आवधिकी)
(संपूर्ण पता सहित प्रकाशन का स्थान)
का प्रकाशक हूँ और विनम्रतापूर्वक निम्नलिखित की अभिपुष्टि एवं घोषणा करता हूँ :

1. कि नामक विदेशी समाचार-पत्र के अनुलिपि संस्करण के स्वामित्व वाले प्रतिष्ठान/संयुक्त/स्टॉक/न्यास/सहकारी सोसाइटी/संघ का स्वामी भारत का नागरिक है/हैं।
2. नामक मूल विदेशी समाचार-पत्र जिसका अनुलिपि संस्करण भारत में प्रकाशित किए जाने का प्रस्ताव है, का प्रकाशन मूल देश के विनियामक प्राधिकरण के अनुमोदन से प्रकाशित किया जा रहा है जो इस मामले में है।
3. मूल विदेशी समाचार-पत्र मूल देश में एक मानक प्रकाशन है और यह भारतीय पाठकों के लिए विशेष तौर पर तैयार नहीं किया गया है।
4. अनुलिपि संस्करण में भारतीय पाठकों हेतु किसी भी रूप में कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
5. अनुलिपि संस्करण में ऐसी स्थानीय तौर पर सृजित सामग्री/भारत विशिष्ट सामग्री प्रकाशित नहीं की जाएगी जो विदेशी समाचार-पत्र के मूल संस्करण में साथ-साथ प्रकाशित न हुआ हो।

आवेदक (कों) के हस्ताक्षर

मोटे अक्षरों में नाम श्री/श्रीमती/सुश्री

हस्ताक्षरकर्ता का पदनाम

..... के लिए तथा की ओर से

अभिसाक्षी

स्थान :

दिनांक :

सत्यापन

1. मैं विनम्रतापूर्वक प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी तथ्य सत्य हैं और कोई भी जानकारी छुपाई नहीं गई है।
2. कि मैं यह भी अभिपुष्ट करता हूँ कि उपर्युक्त सभी तथ्यों और साथ ही समाचार-पत्र/प्रकाशन की विषय-वस्तु में भारत सरकार की पूर्वानुमति के बिना कोई भी परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

अभिसाक्षी

स्थान :

दिनांक :

साक्ष्यांकित

जांच-सूची

आवेदन-पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेज

1. सभी अनुलग्नकों सहित संपूर्ण रूप से भरे गए आवेदन-पत्र की नौ प्रतियां।
 2. डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक के जरिए भुगतान किए गए 5000/-रु. का आवेदन शुल्क जो भुगतान एवं लेखाधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पक्ष में तथा नई दिल्ली में देय हो।
 3. आवेदक कम्पनी के अनुच्छेदों तथा संघ ज्ञापन की प्रति।
 4. आवेदक कम्पनी के मौजूदा प्रकाशन के मामले में पिछले 3 अंकों/संस्करणों की प्रतियां।
 5. यदि आवेदक भारतीय कम्पनी का सदृश अथवा भिन्न-भिन्न कार्यकलापों हेतु विगत में किसी विदेशी कम्पनी के साथ सहयोग रहा हो, तो उन्हें जारी किए गए अनुमोदन-पत्र की प्रति।
 6. विदेशी कम्पनी के साथ सम्पन्न किए जाने वाले प्रस्तावित करार के मसौदे की प्रति।
 7. निवेश प्रस्ताव से संबंधित लाभांशों, ऋण करारों, शेयरधारक करारों के ब्यौरे की प्रतियां।
 8. दिशानिर्देशों के खण्ड 3क (iii) में उल्लिखित सबसे बड़े भारतीय शेयरधारक के करार की प्रति।
 9. मौजूदा कम्पनी के मामले में पिछले 3 वर्षों हेतु वार्षिक रिपोर्ट की प्रति।
 10. सभी कॉलम विधिवत रूप से भरे गए हों तथा कोई भी कॉलम खाली न छोड़ा गया हो।
 11. घोषणाओं को सही तरीके से भरा गया हो।
 12. आवेदन-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हों।
- टिप्पणी : अधूरे आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।**